मलमास (खरमास) का नियम

1. ''कंकर में शंकर'' और ''कण–कण में शंकर'', इस बात को श्रद्धापूर्वक मानकर इस मलमास में होने वाली परेशानी, भारीपन, असुविधा, नुकसानी से बचने के लिए एक विशेष उपाय हम कर रहे है, ताकि आपको कम से कम कष्ट हो।
2. स्थान से आपको शंकर स्वरूप नर्मदा जी कंकर दिए जाएगें।
3. अपनी श्रद्धानुसार आप इनको हर हफ्ते या 9 दिन में या 15 दिन में या 21 या 27 दिन में ले सकते है।
4. विधि – दिए जा रहे कंकर जी को अपने घर के पूजा स्थान में रखना है। श्रद्धापूर्वक प्रतिदिन पूजन करना है।

   मंत्रजाप – ऊँ नमः शिवाय या नमामि देवी नर्मदे नमः

   18 या 27 प्रतिदिन लिखना एवं जाप करना।
5. इसके बाद अगले कंकर जी स्थान से ले जाने पर उसको स्थापित करके पहले वाले को मंदिर में चढ़ाना है।
6. मतलब पहले स्थापित करना है फिर उठाना है।
7. संभव हो तो प्रतिदिन या प्रति सोमवार गंगाजल या नर्मदा जल से अभिषेक कर सकते है।
8. अगर संभव हो तो 14 जनवरी या 7 फरवरी से पूर्व नर्मदा स्नान करके 3 डुबकी लगा लें।